सही समझ व सही प्रयत्न :

योगवासिष्ठ से लिए गए उद्धरण

मोक्षलोक के प्रवेशद्वार पर चार द्वारपाल हैं।
ये द्वारपाल हैं, आत्म-संयम, आत्म-विचार, सन्तोष और अच्छी संगति।

योगवासिष्ठ; स्वामी वेंकटेशानन्द, *The Supreme Yoga: Yoga Vasishtha* [दिल्ली, भारत : मोतीलाल बनारसीदास, २०१०] पृ. २६।

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।